महात्मा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया,
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)
[Mahatma Gandhi Govt. P. G. College Kharsia, Dist-Raigarh (C.G)]

PROGRAMME OUTCOMES – M A (HINDI)

महाविद्यालय में वर्तमान में संचालित एम ए हिन्दी के पाठ्यक्रम की पूर्णता पर छात्र लाभान्वित होंगे / ज्ञानार्जन करेंगे / सीखेंगे –

1. छात्र हिन्दी साहित्य के समग्र इतिहास का ज्ञान प्राप्त करते हुए आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल एवं आधुनिक काल की प्रवृत्तियों, साहित्यकारों एवं उनके रचना संसार से जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. भाषा विज्ञान के अन्तर्गत स्वन विज्ञान, रूप विज्ञान, अर्थ विज्ञान, व्याकरण संबंधी तथ्यों से अवगत होंगे।
3. वर्तमान हिन्दी के उद्‌भव, विकास और स्वरूप से परिचित होंगे।
4. भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण के अनुसार काव्यशास्त्र के सिद्धांतों से छात्र भिज्ञ होंगे।
5. वर्तमान तकनीकी परिवेश में छात्र, हिन्दी का सार्थक उपयोग करना सीखेंगे।
6. अन्य भारतीय भाषाओं जैसे बंगला, उड़िया आदि के साहित्य से हिन्दी का तुलनात्मक अध्ययन हो पाएगा।
7. पत्रकारिता के क्षेत्र में हिन्दी की उपयोगिता को छात्र समझेंगे।
8. आंचलिक साहित्य (छत्तीसगढ़ी साहित्य) का ज्ञान लाभ भी छात्रों को होगा।
9. अनुवादक, मीडियाकर्मी, संपादक, शिक्षक, अलोचक, कवि, लेखक अथवा टीकाकार के रूप में छात्र. अपना कैरियर बना सकते हैं।
10. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले हिन्दी शब्द भंडार से संबंधित प्रश्नों का जवाब छात्र दे पाएंगे।
11. शुद्ध हिन्दी लेखन व उच्चारण सम्भव हो सकेगा।
12. भाषण कला एवं काव्य पाठ में पारंगत हो सकते हैं।
13. किसी भी कार्यालय में अपनी बात को हिन्दी में धाराप्रवाह एवं प्रभावी शैली में व्यक्त कर सकते हैं।
14. शुद्ध हिन्दी एवं सही शैली में कहीं भी पत्र व्यवहार कर सकते हैं।

15. हिन्दी, भारत की राष्ट्र भाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, मीडिया की भाषा होने के कारण नौकरी, व्यवसाय तथा अन्य उद्यमों में आशातीत सफलता दिला सकती है।
16. इसकी लिपि – देवनागरी, वैज्ञानिक है, जिसके कारण यह सर्व बोधगम्य है।
17. यह एक विषय होने के साथ–साथ भाषा भी है, अतः इसे सभी को जानना आवश्यक है। बिना मास्टर उपाधि प्राप्त किए इसमें विद्वता व सम्पूर्णता हासिल नहीं हो सकती। हिन्दी की सही जानकारी होने से छात्र/पाठक, विभिन्न साहित्यों का अध्ययन आसानी से एवं बोधगम्यता के साथ कर सकते हैं।

निष्कर्षतः, यह प्रोग्राम तो मात्र दो वर्ष का है, परन्तु इसके अध्ययन उपरान्त प्राप्त ज्ञान जीवन पर्यन्त लाभकारी है।

डॉ0 रमेश टण्डन
विभागाध्यक्ष–हिन्दी

(डॉ. पी.सी. चुतलहरे)
प्राचार्य
एम.जी. कला एवं विज्ञान महा. खरसिया
जिला– रायगढ़ (छ.ग.)